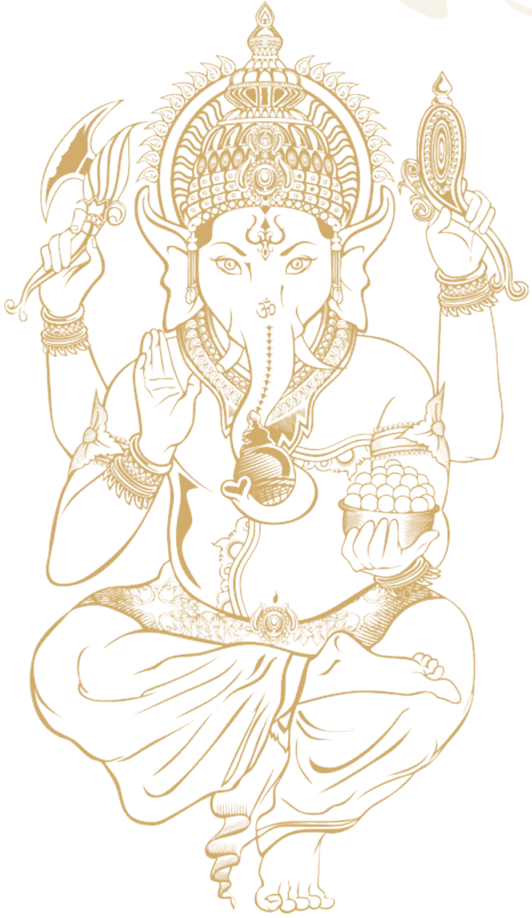

Gauri Nayak

05 Jan 2005

10:55 AM

Agra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121551511

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/01/2005**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:55:00 घंटे**
इष्ट	09:25:39 घटी
स्थान	**Agra**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:09:00 उत्तर
रेखांश	78:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:37:00 घंटे
वेलान्तर	-00:05:24 घंटे
साम्पातिक काल	17:36:38 घंटे
सूर्योदय	07:08:44 घंटे
सूर्यास्त	17:38:20 घंटे
दिनमान	10:29:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:02:53 धनु
लग्न के अंश	27:54:10 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सुकर्मा
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रु-रुपा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	27:54:10	503:20:08	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	21:02:53	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	09:06:55	13:30:14	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	13:20:22	00:41:27	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	स्वराशि
बुध			वृश्चि	29:32:01	01:15:53	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			कन्या	23:44:27	00:05:02	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	00:27:52	01:15:08	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
शनि	व		कर्क	00:40:09	00:04:50	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	04:54:00	00:00:14	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	04:54:00	00:00:14	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
हर्ष			कुंभ	10:09:32	00:02:31	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	20:03:48	00:02:03	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	28:57:03	00:02:08	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			धनु	00:42:46	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:30

लग्न-चलित

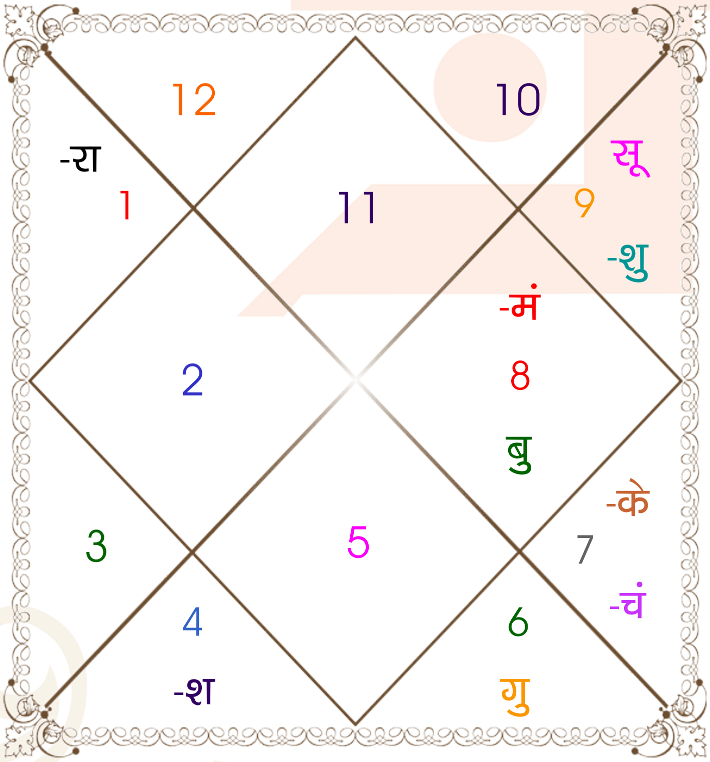

चन्द्र कुंडली

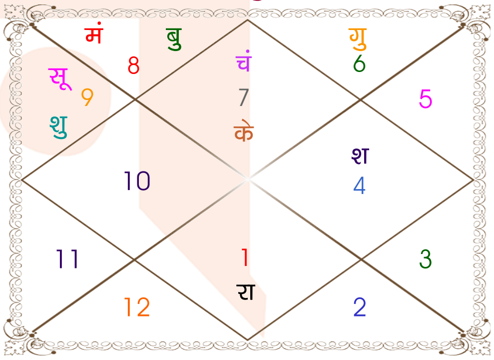

नवमांश कुंडली

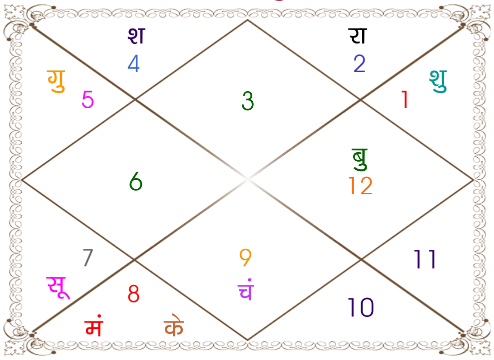

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 8 मास 10 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/01/2005		**16/09/2019**		**16/09/2035**		**16/09/2054**		**16/09/2071**	
16/09/2019		**16/09/2035**		**16/09/2054**		**16/09/2071**		**16/09/2078**	
	05/01/2005	गुरु	03/11/2021	शनि	19/09/2038	बुध	11/02/2057	केतु	12/02/2072
गुरु	22/10/2006	शनि	17/05/2024	बुध	29/05/2041	केतु	09/02/2058	शुक्र	13/04/2073
शनि	28/08/2009	बुध	23/08/2026	केतु	08/07/2042	शुक्र	10/12/2060	सूर्य	19/08/2073
बुध	17/03/2012	केतु	29/07/2027	शुक्र	06/09/2045	सूर्य	16/10/2061	चंद्र	20/03/2074
केतु	04/04/2013	शुक्र	29/03/2030	सूर्य	19/08/2046	चंद्र	17/03/2063	मंगल	16/08/2074
शुक्र	04/04/2016	सूर्य	16/01/2031	चंद्र	20/03/2048	मंगल	14/03/2064	राहु	04/09/2075
सूर्य	27/02/2017	चंद्र	17/05/2032	मंगल	29/04/2049	राहु	01/10/2066	गुरु	10/08/2076
चंद्र	29/08/2018	मंगल	23/04/2033	राहु	05/03/2052	गुरु	06/01/2069	शनि	19/09/2077
मंगल	16/09/2019	राहु	16/09/2035	गुरु	16/09/2054	शनि	16/09/2071	बुध	16/09/2078

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/09/2078		**16/09/2098**		**16/09/2104**		**17/09/2114**		**17/09/2121**	
16/09/2098		**16/09/2104**		**17/09/2114**		**17/09/2121**		**00/00/0000**	
शुक्र	15/01/2082	सूर्य	03/01/2099	चंद्र	18/07/2105	मंगल	13/02/2115	राहु	30/05/2124
सूर्य	16/01/2083	चंद्र	05/07/2099	मंगल	16/02/2106	राहु	03/03/2116	गुरु	06/01/2125
चंद्र	15/09/2084	मंगल	10/11/2099	राहु	18/08/2107	गुरु	06/02/2117		00/00/0000
मंगल	15/11/2085	राहु	05/10/2100	गुरु	17/12/2108	शनि	18/03/2118		00/00/0000
राहु	15/11/2088	गुरु	24/07/2101	शनि	18/07/2110	बुध	15/03/2119		00/00/0000
गुरु	17/07/2091	शनि	06/07/2102	बुध	17/12/2111	केतु	12/08/2119		00/00/0000
शनि	16/09/2094	बुध	12/05/2103	केतु	17/07/2112	शुक्र	11/10/2120		00/00/0000
बुध	17/07/2097	केतु	17/09/2103	शुक्र	18/03/2114	सूर्य	16/02/2121		00/00/0000
केतु	16/09/2098	शुक्र	16/09/2104	सूर्य	17/09/2114	चंद्र	17/09/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 7 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन की कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाली हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगी। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगी। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगी। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकती हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखती हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहती हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचती है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन की ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाली व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करती हो दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहती। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहती। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरुद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमान पति एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित महिला हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली महिला के समान धनी हो जाओगी। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करती हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देती तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़ी रहती हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकती हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकती है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।